THE RAFTSMAN'S JOURNAL,

|  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| ARFIELD, PA., NOV. 24, 1858. |  |  |  |  |  |
| Crnue |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| ties, murders, burglaries, defalcations, de-baucheries, lasciviousness, and the thousandsof lesser criminal acts to which humanity issubject, are of daily, if not of hourly oceur- |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| The number of murders that have been com-mitted during the last twelvemonth is trulyfrightful, whilst robberies, pilferings, horse- |  |  |  |  | ${ }^{\text {o }}$ |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| not see how they can arrive at such a conelusion. |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| state of affairs. The great disregard for the teachings of pure christianity, which is distin- guishable everywhere-the lack of business in- |  |  |  |  |  |
| tegrity, uprightness and honesty in dealing-the morbid spirit of speculation that is uni-rersally rife-the worship of Mammon, which |  |  |  |  | $A^{\text {ssones }}$ |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| We fear, howerer, that our Courts of Jus- tice, as they are called-whether properly or |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | , iss |
| maxim, and, on the contrary, to establish that other one which teaches that "faws catch flies, |  |  |  |  | D |
|  |  |  |  |  |  |
| deepest dye escape throngh some trifling |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| be deprecated instead of being encouraged,and we believe our Courts would best subservethe requirements of Justice, by inflicting the |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| severest punishments that the statutes would allow, upon such scoundrels as are ever willing |  |  |  |  |  |
| to screen themselves by implicating their acin our own court last week. A store in this |  |  |  |  |  |
|  | is |  |  |  |  |
| in our own court last week. A store in this were fonnd in possession of an individual, who | \% |  |  |  |  |
| was apprehended. Two other men were alsoarrested. The man, in whose possession theproperty was found, agrced to testify against |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | dome |  |  |
| lacking strong corroboration, the counsel for |  |  |  |  |  |
|  |  |  | Hire |  | $\mathbf{A}^{\text {Pr }}$ |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| fice to illustrate our idea; and we hold thatuntil rigid and strict justice is meted out to |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| 为 |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| ar was $\$ 95,000,000$ The highest it in July, 1852. |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| the Repdicem persist in trey |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | 边 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |

